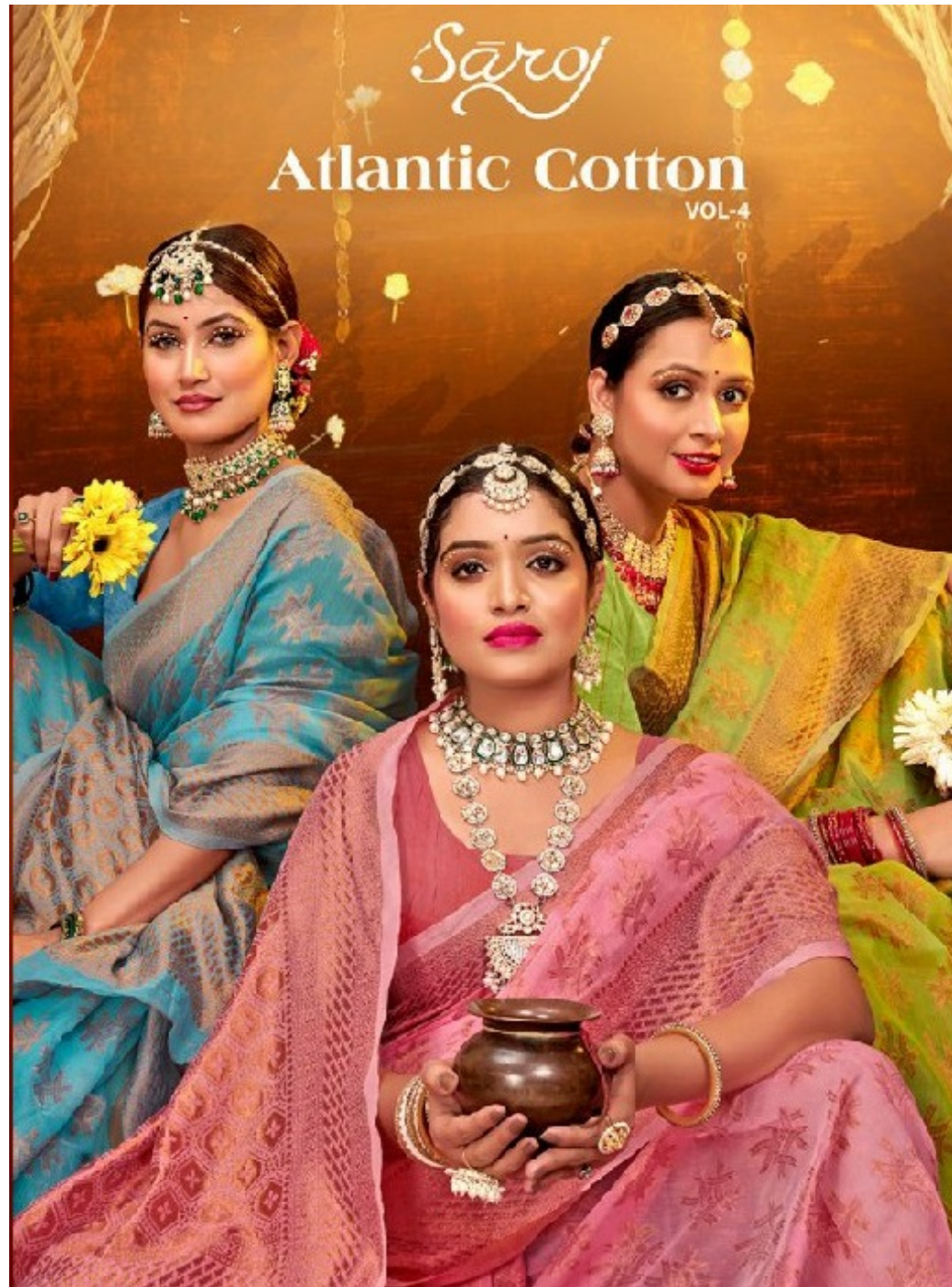


Saroj

Atlantic Cotton

VOL-4





1005



1006



1001



1002



1003



1004

Saraj

जो न कभी रुकित रोक है, न डेप करता है,
न शोक करता है, न कामना करता है
तथा जो धूम और बहुम रान्पुरी कर्ना का स्वादी है-
यह भक्तिपत्रक पुरुष नुभको प्रिय है।



1001



1002



1003



1004



1005



1006